INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: VII-2nd Lang.	Department: Hindi	Date of submission:
Worksheet No: 1	Topic: अपठित अर्थ ग्रहण	Note: Pl File in portfolio

प्रश्न- दिए गए गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए – पतंग के जन्म के बारे में ठीक-ठीक जानकारी तो इतिहास में नहीं मिलती, पर कुछ ठोस जानकारी के हिसाब से करीब दो हजार वर्ष पूर्व चीन में किसी किसान ने मज़ाक-मज़ाक में अपनी टोपी में डोरी बाँधकर हवा में उछाल दिया था, और वह दुनिया की पहली पतंग बन गई| बाद में कुछ चीनी व्यापारियों से होते हुए यह विश्व भर में प्रचलित हो गई| आज भारत के गुजरात राज्य के अहमदाबाद शहर में होने वाले काईट उत्सव से हर कोई परिचित है| इस महोत्सव में भाग लेने के लिए हर वर्ष विश्व के कोने-कोने से प्रतियोगी भारत आते हैं| इन दिनों गुजरात की छठा ही निराली होती है| आसमान में उडती रंग-बिरंगी पतंगें मानो जादू-सा कर देतीं हैं, हर कोई इस उत्सव में खिंचा चला आता है| पूरा आसमान विभिन्न आकारों की रंग-बिरंगी पतंगों से भर जाता है दो हजार ग्यारह में देश की राजधानी दिल्ली के इंडिया गेट पर पतंगबाज़ी आईपीएल दो दिन हुआ था पहले दिन देश के कोने-कोने से आये खिलाड़ी पेंच लड़ाते नज़र आये दूसरा दिन आम लोगों के नाम हुआ था| इस मुकाबले में महिलाओं को भी हुनर दिखने का मौक़ा मिला, वैसे तो भारत में बच्चे गर्मियों की छुट्‌टी में पतंग उड़ाते हैं किन्तु कई राज्यों में मकर-संक्रांति, छब्बीस-जनवरी एवं पंद्रह अगस्त को पतंग उड़ाई जाती हैं| ऊँची उड़ती पतंग खिलाड़ियों के मन में सकारात्मक ऊर्जा प्रवाहित करती है तो नकारात्मकता स्वयं दूर हो जाती है| पतंगबाज़ी मानव को कल्पनाशील भी बनाती है| जिस प्रकार पतंग विपरीत हवा में आसमान में ऊँची उड़ती है, वैसे ही

विपरीत परिस्थितियों में ही मनुष्य के धैर्य तथा साहस की परीक्षा होती है| पतंगबाज़ी से पूरे शरीर का व्यायाम भी हो जाता है|

प्रश्न 1- दुनिया की पहली पतंग के बारे में बताइए|

....

....

प्रश्न 2- काईट उत्सव कहाँ मनाया जाता है?

....

....

प्रश्न 3- भारत में पतंग कब-कब उड़ाई जाती है?

....

....

प्रश्न 4-आसमान में उड़ती पतंग हमें क्या सन्देश देती है?

....

....

....

प्रश्न 5- स्वविवेक से बताइए कि पतंगबाज़ी से हमारे पूरे शरीर का व्यायाम किस प्रकार होता है?

....

....

....

6. दिए गए गद्यांश का एक उचित शीर्षक दीजिए।

....